सांध्य दैनिक 4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 341 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 22 जनवरी, 2024

जपहिं नामु जन आरत भारी। मिटहिं कुसंकट होहिं सुखारी॥
राम भगत जग चारि प्रकारा। सुकृती चारिउ अनघ उदारा॥

2024 लोस चुनाव को लेकर सहयोगी दल चर्चा को... 3
बिना वजह की बयानबाजी से... 2

गर्भगृह में विराजे राम

पूरे देश में गूंजा जय सियाराम

साधु संतों और देश के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर के ऊपर हेलीकॉप्टरों से पुष्पों की वर्षा की गई

प्रथम तल पर गर्भगृह के ठीक ऊपर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का दरबार होगा।

मंदिर के प्रथम तल पर चारों तरफ बालकनी होगी, जहां से श्रद्धालु अयोध्या की छटा निहार सकेंगे।

पूजा-अनुष्ठानों से शुरू हुई प्रतिष्ठा समारोह प्रक्रिया

इसी बीच प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम मंदिर में पूजा अनुष्ठानों की झलकियां देखने को मिली है। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में स्थापित देवताओं का दैनिक पूजन, हवन, पारायण आदि कार्य, सुबह मध्वाधिनास, मूर्ति का 114 कलशों के विविध औषधीयुक्त जल से स्नपन, महापूजा, उत्सवमूर्ति की प्रासादपरिक्रमा, शय्याधिनास, तत्त्वन्यास, महान्यास आदिन्यास, शान्तिक-पौष्टिक - अघोर होम, व्याहृति होम, रात्रिजागरण, सायंपूजन एवं आरती हुई। श्री रामलला सरकार प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में आज स्थापित देवताओं का दैनिक पूजन, हवन, पारायण आदि कार्य, प्रातः मध्वाधिनास, मूर्ति का 114 कलशों के विविध औषधीयुक्त जल से स्नपन, महापूजा, उत्सवमूर्ति की प्रासादपरिक्र मा, शय्याधिनास, तत्त्वन्यास, महान्यास आदिन्यास, शान्तिक-पौष्टिक ।

पीएम बने प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य यजमान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही रामलला मंदिर के गर्भगृह विराजमान हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उनके ठीक बगल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा साधु संतों और देश के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुई। रामलाल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए फिल्मी जगत, व्यापार जगत, खेल जगत और राजनीति के क्षेत्र के दिग्गज पधारे थे। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के ऊपर हेलीकॉप्टरों से पुष्पों की वर्षा की गई।

392 खम्भे और 44 द्वार हैं पूरे मंदिर में

प्रथम तल पर भगवान श्रीराम का दरबार

राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक मंदिर के प्रथम तल पर 132 खंभों का निर्माण किया जाएगा, यानी भूतल से प्रथम तल में खंभों की संख्या घट जाएगी। प्रथम तल पर गर्भगृह के ठीक ऊपर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का दरबार होगा। यहीं पर सिंहासन लगाया जाएगा, जिसपर माता जानकी और भाई लक्ष्मण के साथ भगवान श्रीराम राजा के रूप में विराजेंगे। यहां वीर हनुमान भी बैठे नजर आएंगे। मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार के अलावा अन्य मंदिर भी रहेंगे। मंदिर के प्रथम तल पर चारों तरफ बालकनी होगी, जहां से श्रद्धालु अयोध्या की छटा निहार सकेंगे।

इस दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य : मोदी

इसी बीच पीएम मोदी भाव-विभोर हो गए। इस खास मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या धाम में श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक क्षण हर किसी को भाव-विभोर करने वाला है। इस दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य है। जय सियाराम!

नयनाभिराम! अद्भुत व अलौकिक है राम मंदिर

अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर को तीन फ्लोर में बनाया जा रहा है, प्रत्येक मंजिल की ऊंचाई 20 फीट रहेगी। नागर शैली में बन रहे राम मंदिर में उत्तर और दक्षिण भारत की झलक दिखेगी। पूरे मंदिर में कुल 392 खम्भे और 44 द्वार होंगे। भूतल में गर्भगृह बनाया गया है, जहां प्रभु श्रीराम के बाल रूप यानी श्रीरामलला विराजमान रहेंगे। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक मंदिर की लंबाई (पूर्व से पश्चिम) 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट रहेगी। ट्रस्ट के मुताबिक ग्राउंड फ्लोर में 160 खंभे बनाये गए हैं, जिस पर मंदिर की छत टिकी है। मंदिर निर्माण के पहले फेज में ग्राउंड फ्लोर पर गर्भगृह समेत 5 मंडप बनाए गए हैं। नृत्य मंडप, रंग मंडप, गूढ़ मंडप (सभा मंडप) प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप। पहले फेज में ही, मंदिर का प्रवेश द्वार सिंह द्वार का निर्माण किया गया है। मंदिर में प्रवेश पूर्व में निर्मित सिंह द्वार से 32 सीढ़ी चढ़कर होगा। 32 सीढ़ियों की ऊंचाई कुल 16.5 फीट है। दिव्यांगजन और वृद्धजनों के लिए रैम्प एवं लिफ्ट की व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट की वेब साइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक मुख्य तौर पर मंदिर के ग्राउंड फ्लोर 12 द्वार होंगे, जबकि कुल दरवाजों की संख्या 44 होगी।

बिना वजह की बयानबाजी से बचें कार्यकर्ता : अखिलेश

» मंदिर मुद्दे व मायावती के खिलाफ न बोलने का निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा के कार्यकर्ताओं को मंदिर मुद्दे पर बयान न देने के सख्त निर्देश दिए है। यहीं नही उन्होंने बसपा प्रमुख मायावती केबारे में भी कुछ न बोलने की सलाह दी है। पूर्व सीएम ने पूर्व विधायकों व सांसदों की बैठक में अपनी रणनीति समझाई। उन्होंने कहा कि मंदिर मुद्दे पर बोलकर समाजवादी भाजपा के पिच पर न खेलें। इसके बजाय बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर, कानून-व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर सरकार को घेरने में कोई कोर-कसर न छोड़ें।

इस बार मतदाता सूची में किसी तरह की गड़बड़ी न होने दें। कहीं किसी समर्थक का वोट कटा दिखे तो तत्काल उसे जुड़वाने के लिए वैधानिक प्रक्रिया शुरू करें। प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर हुई इस बैठक में अखिलेश ने इटावा में समाजवादियों की ओर से बनाए जा रहे केदारेश्वर महादेव मंदिर का वीडियो भी जारी किया। अखिलेश ने कहा कि हम सभी की अपने-अपने धर्म में आस्था है, लेकिन हम लोग इसको प्रचारित नहीं करते हैं। केदारेश्वर महादेव मंदिर पिछले करीब डेढ़ साल से बन रहा है। शीघ्र ही इसका काम पूरा हो जाएगा। बैठक में उन्होंने 26 जनवरी के संविधान कार्यक्रम को सफल बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ समाजवादी नेता चुनाव प्रचार में जुटें। उनके जुटने से कार्यकर्ताओं के बीच आपसी मतभेद कम होंगे, जिसका लाभ पार्टी को मिलेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये कहा कि लोकतांत्रिक भारत जोड़ो यात्रा पर भाजपा शासित राज्य असम में हुआ हमला बेहद निंदनीय है। हर तरह से हारती भाजपा अब पूरी तरह से निराश हो चुकी है, तभी हिंसा पर उतारू है। हिंसा मानसिक हताशा का भौतिक रूप होती है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हमले की निंदा की

योगी सरकार में बढ़ रहा अपराध : सपा मुखिया

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ मे पुलिस की पिटाई से हुई मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने सूबे की योगी सरकार पर कटाक्ष करते हुए जनता की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। आजमगढ़ की इस घटना का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने योगी सरकार को निशाने पर लिया है। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ये उप्र में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के जीरो हो जाने का परिणाम है। दरअसल, तरवां थाना के ताटा गांव में पुलिस की पिटाई से घायल 54 वर्षीय शोभनाथ की शनिवार की रात इलाज के दौरान वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में मौत हो गई। स्वजन रात को ही शव लेकर घर आ गए। दूसरे दिन रविवार को शव दरवाजे पर रखकर पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। परिवार वालों ने आरोप लगाया कि थाने के दो पुलिसकर्मियों ने 15 दिन पूर्व घर में घुसकर शोभनाथ की पिटाई कर घायल कर दिया था। एसडीएम व सीओ की कार्रवाई के आश्वासन पर स्वजन शांत हुए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बंगाल की मुख्यमंत्री हिंदू विरोधी : सुवेंदु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि कल देश भर में दिवाली मनाई जाएगी। कल अयोध्या में हो रहे भव्य कार्यक्रम को लेकर हर कोई खुश है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग भी हिस्सा ले रहे हैं। सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी हिंदू विरोधी हैं। वह एक सांप्रदायिक सीएम हैं। टीएमसी सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश कर रही है।

वहीं टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि भाजपा जितना अधिक मंदिर की राजनीति में संलग्न होगी, उतना ही अधिक लोग उनकी कपटपूर्ण योजनाओं के बारे में जागरूक होंगे, जिससे उनके वोट शेयर में गिरावट आएगी। गौरतलब है कि गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने सत्तारूढ़ दल टीएमसी को 22 जनवरी को राज्य में संप्रीति रैली निकालने की अनुमति दी थी। साथ ही कोर्ट ने शांति भंग न होने को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं। इसी दिन अयोध्या में 22 जनवरी को ही राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्र म भी हैं।

नये चेहरे के सहारे लोस चुनाव 2024 में उतरेगी कांग्रेस

» यूपी में पूरे जोरशोर से तैयारी में जुटी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस इस बार लोकसभा चुनाव में कई नए प्रयोग करेगी। यूपी में वह नए चेहरे उतारने की तैयारी में है। कांग्रेस में पीढ़ी परिवर्तन का असर साफ दिखेगा। कई सीटों पर प्रत्याशियों ने खुलेतौर पर चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी हर लोकसभा सीट पर दो से तीन उम्मीदवारों की सूची तैयार की जा रही है। इस सूची के आधार पर गठबंधन में दावेदारी की जाएगी। कांग्रेस की ओर से सभी 80 लोकसभा सीटों पर तैयारी चल रही है।

कांग्रेस ने पीढ़ीगत बदलाव करते हुए इस बार परंपरागत तरीके से चुनाव लड़ने वालों से इतर नए और युवा चेहरों पर दांव लगाने का मन बनाया है। फर्रुखाबाद सीट पर अभी तक पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद चुनाव लड़ते रहे हैं, लेकिन इस बार पूर्व विधायक सुरेश यादव के पुत्र और पार्टी के प्रदेश महासचिव कौशलेंद्र यादव ने ताल ठोंक दी है। उन्होंने पूरे लोकसभा क्षेत्र में होर्डिंग्स, पोस्टर लगाकर खुले तौर पर एलान कर दिया है। इसी तरह बाराबंकी में तनुज पुनिया, लखनऊ में डा. अभिषेक यादव, कानपुर में अजय कपूर, सीतापुर में राकेश राठौर, खीरी में पूर्वी वर्मा आदि भी चुनाव प्रचार में उतर गए हैं।

रामराज की अवधारणा से प्रेरणा लेकर चला रहे सरकार : केजरीवाल

» बोले- दिल्लीवालों को हर प्रकार की सुविधाएं देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रामराज की अवधारणा से प्रेरणा लेकर दिल्ली में सरकार चला रहे हैं। कोशिश है कि दिल्ली में कोई भूखा न सोएं, हर गरीब को मुफ्त राशन और हर नागरिक को सुरक्षा, हर व्यक्ति को 24 घंटे बिजली व पीने का पानी और सम्मान मिले। अब दिल्ली में हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलने लगी है और हर व्यक्ति को मुफ्त इलाज मिल रहा है। केजरीवाल ने दिल्ली सरकार की ओर से आइटीओ स्थित प्यारेलाल भवन में आयोजित रामलीला का मंचन देखा।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और भगवान श्रीराम, माता सीता व लक्ष्मण की आरती कर देश व दिल्ली की समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पौधा और अंगवस्त्र भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से सीख लेनी चाहिए। अपने माता-पिता का कहना मानना चाहिए और हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए। भगवान राम अयोध्या के शासक थे। उन्होंने जो शासन दिया, उसे पृथ्वी पर एक आदर्श शासन माना जाता है कि अगर शासन हो तो ऐसा हो। रामलीला का मंचन देने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सुंदरकांड पाठ भी किया। किदवई नगर स्थित सेंट्रल पार्क में रविवार की शाम आयोजित सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। यहां पहुंच कर सीएम अरविंद केजरीवाल ने भगवान हनुमान की प्रार्थना की और सुंदरकांड पाठ किया।

शोभायात्रा व भंडारे का आयोजन करेगी आप

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा होने पर सोमवार को आम आदमी पार्टी ने पूरी दिल्ली को राममय बनाने का निर्णय लिया है। इस कड़ी में वह सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में सुंदरकांड, शोभायात्रा, आरती, प्रसाद वितरण समेत कई अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। यह जानकारी आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडे ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में दी।

मंदिर पूजा करने जाता हूं राजनीति करने नहीं : थरूर

» विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं उठा सकते पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम (केरल)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री पर हर चुनावी साल में राजनीतिक एजेंडा बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार चीन के अतिक्रमण से देश की सीमाओं को बचाने में विफल रही है। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने ये आरोप कल अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर लगाए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 का लोकसभा चुनाव विकास के नाम पर और 2019 का चुनाव राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लड़ा था। लेकिन, नोटबंदी के कारण जनता को हुई दिक्कतों के बाद अब वह विकास की बात नहीं कर सकते हैं और न ही राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठा सकते हैं, क्योंकि सरकार चीन द्वारा कब्जाए गए इलाके को वापस हासिल करने में विफल रही है।

गठबंधनों की रार में फंसते सीटों के बंटवारे

2024 लोस चुनाव को लेकर सहयोगी दल चर्चा को तैयार

» इंडिया और एनडीए दोनों अभी माथापच्ची में उलझे

» यूपी, बंगाल, पंजाब से लेकर जम्मू-कश्मीर तक में सीटों पर रार

» कांग्रेस व बीजेपी अपने बलबूते लड़ने की तैयारी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुना 2024 में बीजपी की टक्कर किसी भी पार्टी से नहीं है। ये हम नहीं कह रहें वह यह आम बातचीत में चर्चा हो रही है। जिसतरह से इंडिया गठबंधन में यूपी में सपा के साथ बातचीत फंसी हुई है। बसपा प्रमुख मायावती ने अकेले लड़ने का फैसला किया उनके इस फैसले से इंडिया गठबंधन पर भी असर हुआ है। यूपी में अब सपा ने रालोद के साथ सात सीटों पर सहमति बना ली है। अब कांग्रेस के पाले में गेंद है कि वह कैसे यूपी में सीटों को बांटकर आगामी लोकसभा चुनाव-2024 में अपने गठबंधन को मजबूती प्रदान करे। बंगाल में भी अब ममता के बयान के बाद नई सियासी बहस छिड़ गई है। ऐसा लगता है कि वहां भी इंडिया गठबंधन को सीटों के बंटवारे पर रार का सामना करना पड़ सकता है।

ऐसी नही कि सीटों को लेकर केवल इंडिया गठबंधन में ही उठापटक चल रही है। दूसरे गठबंधन एनडीए में बातचीत अभी शुरू भी नहीं हो पाई । बिहार व यूपी में बीजेपी के सहयोगी 22 के बाद कुछ न कुछ करने की बता कह रहे हैं। वही महाराष्ट्र में भी एनडीए में सीट समझौते नहीं हुए हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश को लेकर भी फिलहाल एनडीए में कोई बातचीत नहीं चल रही है। दरअसल, ममता बनर्जी की पार्टी की ओर से पश्चिम बंगाल में ऐलान कर दिया गया है कि वह सभी 42 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसका मतलब साफ है कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच कोई सीट समझौता नहीं होने जा रहा है। वर्तमान में देखा जाए तो देश भर में राम भक्ति की धुन सवार है। हालांकि यह बात भी सच है कि इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर पर्दे के पीछे राजनीति भी खूब हो रही है। इंडिया गठबंधन में लगातार सीट बंटवारे को लेकर बातचीत हो रही है। वहीं, एनडीए की ओर से भी यह खुलासा नहीं किया गया है कि कौन कहां कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। हर तरफ स्थिति कन्फ्यूजन वाली दिखाई दे रही है। हालांकि, विपक्षी इंडिया गठबंधन में दरार कुछ ज्यादा दिखाई दे रही है। इसका बड़ा कारण ममता बनर्जी का वह फैसला है जिसकी चर्चा फिलहाल कल से लगातार हो रही है।

तृणमूल कांग्रेस अधीन रंजन चौधरी के खिलाफ भी अपने उम्मीदवार उतारेगी। वहीं, अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय लोक दल और जयंत चौधरी के साथ उत्तर प्रदेश में गठबंधन को लेकर अपनी स्थिति फाइनल कर ली है। यह कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश है कि हमने यहां अपना गठबंधन फाइनल कर लिया है, आप बातचीत में तेजी लाइए वरना हम चुनाव लड़ने की तैयारी कर चुके हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली में मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर अपनी तैयारी कर रही है। तो वहीं पंजाब में दोनों दल एक दूसरे पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। दोनों दलों की ओर से दावा किया जा रहा है कि वह सभी 13 सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेगी। ऐसे में पंजाब में आप और कांग्रेस का कोई गठबंधन होता दिखाई नहीं दे रहा है। इतना ही नहीं, आम आदमी पार्टी ने गुजरात और गोवा में भी कांग्रेस से सीट मांग ली है। वहीं, अगर महाराष्ट्र के बात करें तो वहां महा विकास आघाडी में सीट बंटवारे को लेकर बयान बाजी खूब हो रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना 23 सीटों से कम पर तैयार नहीं है। वहीं कांग्रेस 20 सीटों पर ढावा ठोक रही है। ऐसे में शरद पवार की पार्टी को कितनी सीटे मिलेगी, इस पर भी पेंच फंसता दिखाई दे रहा है।

बिहार पर असमंजस

बिहार में कंफ्यूजन की स्थिति कुछ ज्यादा ही है। यहां नीतीश कुमार को लेकर ही कंफ्यूजन है। बड़ा सवाल यही है कि इंडिया गठबंधन की नींव डालने में अहम भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन में रहेंगे या फिर से अपने पुराने सहयोगी भाजपा के खेमे में लौट जाएंगे। इसने बिहार के राजनीति को तेज कर रखा है। खुद लालू यादव और तेजस्वी यादव ने इस खबर के बाद नीतीश कुमार से मुलाकात की। हालांकि, नीतीश कुमार की चुप्पी अभी भी कई सवालों को जन्म दे रही है। इसके अलावा भाजपा में भी कन्फ्यूजन की स्थिति है। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी जैसे नेताओं को इस बात का डर है कि अगर नीतीश कुमार एनडीए में वापसी करते हैं फिर हमारा क्या होगा?

बसपा के फैसले से मिलेगा बीजेपी को लाभ

एक समय ऐसा था जब मायावती एवं बसपा का राजनीतिक जादू सिर चढ़कर बोलता था। लेकिन यही अहंकार एवं जन-विरोधी राजनीति ने मायावती को जल्दी ही उसकी जमीन दिखा दी। दलित-मुस्लिम गठजोड़ की वैचारिकी पर आधारित यह राजनीतिक दल कालांतर में मुस्लिमों का भरोसा भी कायम न रख सका। एक समय पार्टी का जादू इस कदर था कि 1987 के हरिद्वार लोकसभा उपचुनाव में दिग्गज दलित नेता रामविलास पासवान तक की जमानत जब्त हो गई थी। ये बसपा-सपा गठबंधन की ताकत थी कि 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराये जाने के बाद चली राम लहर में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं मायावती का जनाधार अब इतना नहीं रह गया कि पार्टी किंग मेकर की भूमिका निभा सके। उसके परंपरागत जनाधार पर नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं जादुई व्यक्तित्व ने सेंध लगा दी है। बहरहाल, बसपा का अकेले चुनाव लड़ना भाजपा को रास आएगा क्योंकि इससे विपक्षी गठबंधन का जनाधार खिसकेगा। जिससे भाजपा की जीत की राह आसान हो सकती है।

मायावती का निर्णय सबको कर गया चकित

उधर मायावती की ताजा घोषणाएं राजनीतिक क्षेत्र में जहां हलचल पैदा करने का बड़ा कारण बनी है, तो वहीं विपक्षी दल इन घोषणाओं से बौखलाये भी हैं। यही कारण है कि विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि मायावती भाजपा सरकार की केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से घबरायी हुई है। वे ईडी व अन्य वित्तीय एजेंसियों की संभावित कार्रवाई की आशंका के दबाव में आकर ही यह फैसला किया हैं। इन आरोपों में सच्चाई हो सकती है, लेकिन राजनीति से जुड़े तमाम नेता एवं दल दूध के धूले नहीं है, उन पर ऐसी ईडी का साया मंडरा सकता है, फिर वे भी ऐसे ही राजग को लाभ पहुंचाने वाले निर्णय क्यों नहीं लेते? भले ही विपक्षी दल बसपा के राजग को परोक्ष रूप से लाभ पहुंचाने की रणनीति को इसी दृष्टि से देखते हो, या इसी वजह है कि बसपा सुप्रीमो ने उन तीखे-तल्ख नारों से परहेज किया है जो अकसर वह सवर्णों को लेकर उछालती रही है। विपक्षी भले कितने ही आरोप लगाती रहे, लेकिन मायावती को इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनाये रखने में वह पूरी तरह नाकाम रहा है।

कांग्रेस को मिल सकता है यात्रा का लाभ

कांग्रेस के नेता एवं सांसद राहुल गांधी अपने एवं कांग्रेस के राजनीतिक धरातल को मजबूती देने के लिये एक बार फिर यात्रा का सहारा ले रहे हैं। 4000 किलोमीटर की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब वे 6700 किलोमीटर की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकल चुके हैं। न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी 14 राज्यों के 85 जिलों से गुजरेंगे, यात्रा मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात से गुजरते महाराष्ट्र में मुंबई पर समाप्त होगी। कांग्रेस को जीवंतता देने एवं उसके पुनरुत्थान के लिए की जाने वाली इस यात्रा में इंडिया गठबंधन दलों एवं खुद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भीड़ जुटाने कामयाब हो रही है। अब यह भीड़ वोटों में कितना बदलेगी ये तो चुनाव परिणाम में ही पता चल पाएगा। पिछली यात्रा ने राहुल गांधी की लोकप्रियता में जमकर उछाल लाया था। इसबार की न्याय यात्रा में भी अच्छी खासी भीड़ जुट रही है। पर चुनाव में कितना फायदेमंद होगी अभी कहना जल्दबाजी है। यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने में नाकाम रही।

यात्राओं की परंपरा को आगे बढ़ा रहें राहुल

भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क एवं सशक्त जनाधार जुटाने का प्रभावी माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। भगवान् महावीर ने अपने जीवनकाल में अनेक प्रदेशों में विहार कर वहां के जनमानस में अध्यात्म के बीज बोये थे। लेकिन इन यात्राओं की श्रृंखला में राहुल गांधी की यह राजनीतिक यात्रा नये राजनीतिक मस्तस्तिक उकेरने में कितनी सफल होगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा राहुल गांधी की पिछली यात्रा का विस्तार ही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नई शिक्षा प्रणाली की सिर्फ हो रही बातें

सरकार शिक्षा में सुधार के दावे हवा-हवाई ही साबित हो रहा है। चिंता की बात यह भी है कि नई शिक्षा नीति में खास तौर से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के प्रावधान की बातें बहुत हो रही है, लुभावनी योजनाएं बन रही हैं, लेकिन उनके परिणाम जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। नया भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करने का मुख्य आधार शिक्षा है, लेकिन भारत की ग्रामीण शिक्षा को लेकर आयी एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (ग्रामीण) 2023 चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। इस सर्वे में ग्रामीण भारत में छात्रों की स्कूली शिक्षा और सीखने की स्थिति की तस्वीर बयां की गई है, ग्रामीण शिक्षा की इन निराशाजनक स्थितियों पर गौर करना जरूरी है। यह सर्वे 26 राज्यों के 28 जिलों में किया गया और 34,745 युवाओं तक इस सर्वे की पहुंच रही। ग्रामीण छात्रों ने जो तथ्य एवं सच्चाई व्यक्त की है, उसके अनुसार 14 से 18 आयु वर्ग के बच्चे अपनी क्षेत्रीय भाषा में दूसरी कक्षा के स्तर तक का पाठ नहीं पढ़ पाते। इस उम्र के तीसरी-चौथी क्लास के गणित के सामान्य से प्रश्नों को हल न कर सकें तो यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती।

ग्रामीण युवाओं की पसंद विज्ञान एवं तकनीकी विषयों की बजाय आर्ट्स विषय ही होना, शिक्षा के प्रति उपेक्षा एवं उदासीनता को ही दर्शा रहा है। समस्या गणित या भाषा नहीं है, ग्रामीण क्षेत्रों की पढ़ाई में यह पिछड़ापन अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं। यह चुनौती बड़ी इसलिए है कि नवीन शिक्षा नीति घोषित होने के बावजूद स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं तलाशा गया है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी अन्यथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर बढ़ रहे देश के लिये यह चुनौती एक अंधेरा ही है। चिंता की बात यह भी है कि नई शिक्षा नीति में खास तौर से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के प्रावधान की बातें बहुत हो रही हैं, लुभावनी योजनाएं बन रही हैं, लेकिन उनके परिणाम जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। यह हमारी नीतियों की पोल खोल रहा है या नीति-निर्माता की सोच में धुंधलापन है? जिंदगी का गुणा-भाग सिखाने वाली शिक्षा में जब बच्चों को गणित की सामान्य जोड़-बाकी भी नहीं आ पा रही हो तो इसे क्या कहेंगे? यही ना कि स्कूली शिक्षा के प्रसार की बातें भले ही जोर-शोर से की जा रहीं हों लेकिन इनमें सुविधाएं अपर्याप्त हैं या नई शिक्षा नीति को बनाने में कोई कमी है। यह भी हो सकता है कि साधनों के अभाव एवं दक्ष-प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के कारण हम नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। बेहतर शिक्षा देने का हमारा लक्ष्य कहीं-ना-कहीं भटका हुआ है।

“ नया भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करने का मुख्य आधार शिक्षा है, लेकिन भारत की ग्रामीण शिक्षा को लेकर आयी एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (ग्रामीण) 2023 चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। इस सर्वे में ग्रामीण भारत में छात्रों की स्कूली शिक्षा और सीखने की स्थिति की तस्वीर बयां की गई है, ग्रामीण शिक्षा की इन निराशाजनक स्थितियों पर गौर करना जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विरोध-प्रतिरोध से सांस्कृतिक विरासत तक

शंभूनाथ शुक्ल

हरियाणा में कांग्रेस के कद्दावर नेता और राज्यसभा सदस्य दीपेन्द्र हुड्डा सोमवार 15 जनवरी को अचानक अयोध्या पहुंच गए। वहां उन्होंने सरयू नदी में स्नान किया और रामलला के दर्शन किए। उनके साथ पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की केंद्रीय कमेटी की तरफ से नियुक्त उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी सरयू स्नान कर रामलला के दर्शन किए। बाद में प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत भी वहां पहुंचीं। हुड्डा ने कहा, भगवान राम उनकी आस्था के प्रतीक हैं और वे प्रदर्शन नहीं करते। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया की साइट एक्स में अपनी स्नान की तस्वीर भी डाली। दीपेन्द्र हुड्डा के अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने से यह बात स्पष्ट हो गई है, कि भले कांग्रेस ने 22 जनवरी का आमंत्रण ठुकराया हो लेकिन पार्टी के भीतर भी कशमकश चल रही है। हिंदी प्रदेशों में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव से लोगों में इस कदर जोश उमड़ा है, कि उसकी अनदेखी किसी के वश की बात नहीं।

22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह आयोजित है। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। करीब 500 वर्ष बाद मर्यादा पुरुषोत्तम और हिंदू लोकमानस के भगवान राम उस जगह पर पुन: बिराजेंगे, जहां उनका जन्म हुआ था। 1527 ईस्वी में अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान मंदिर को तोड़कर बाबर के सेनापति मीर बकी ने मस्जिद का निर्माण कराया था। यह मंदिर उसने बाबर के कहने पर तोड़ा था, और इस आशय का एक पत्थर भी वहां लगवा दिया था, इस वजह से इसे बाबरी मस्जिद कहा जाता था। इसके बाद से लगातार इस स्थान पर मंदिर बनवाने के लिए राम भक्तों का आग्रह रहा। पिछले 500 वर्षों में अनगिनत साधु-संत और रामभक्त यहां मारे गए। किंतु राम भक्तों का यह संघर्ष कभी बंद नहीं हुआ। इस मंदिर को मुक्त करवाने के लिए विहिप का योगदान सिर्फ यह रहा, कि उसने इस संघर्ष को सांगठनिक रूप दिया।

उसने छिटपुट संघर्ष करने वाले राम भक्तों के लिए मंच तैयार किया और भाजपा ने देशव्यापी बनाकर इसे राजनीतिक स्वरूप प्रदान किया। हालांकि, बीच-बीच में यह आंदोलन हिंसक भी हुआ, और राम भक्तों पर गोलियां भी चलीं। कई रामभक्त मारे भी गये। लेकिन सत्ता द्वारा गोलियां

बरसाने के चलते आंदोलन और तीव्र हुआ। अंतत: राम मंदिर कार सेवकों के गुस्से के चलते 6 दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचा ध्वस्त हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी राजनीतिक दलों ने चुप्पी साधी। राम मंदिर पर सुप्रीम फैसला आ जाने के बाद से यहां राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई और अंतत: 22 जनवरी को मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तय हुआ है। इस दिन के लिए हजारों निमंत्रण पत्र बांटे गये हैं। निमंत्रण बांटने का जिम्मा राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने लिया। मंदिर के इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में राजनीतिक दलों के नेता तथा तमाम फिल्मी कलाकारों को न्योता देने से विवाद बढ़ा है। समारोह में वे तमाम लोग नहीं बुलाये गये जो राम मंदिर आंदोलन में जेल गये और बलिदान हुए। हालांकि जब पूरा देश राममय हो उठा हो तो वे सारे लोग मुंह से राम-राम जपने लगे हैं, जो कल तक राम मंदिर आंदोलन को कार सेवकों का उन्माद बता रहे थे। बहुत सारे साधु-संत भी इस प्राण-प्रतिष्ठा का विरोध कर रहे हैं। इसका कारण एक तो उनको इसमें अपनी उपेक्षा प्रतीत हो रही है, दूसरे वे इस प्राण-प्रतिष्ठा की पद्धति से नाखुश हैं। राम मंदिर के लिए राजनीतिक आंदोलन शुरू करने वाले लालकृष्ण आडवाणी और उसकी ध्वजा थामने वाले मुरली मनोहर जोशी को निमंत्रण तो ट्रस्ट की तरफ से गया है। लेकिन उन्हें सलाह भी दी गई है, कि ठंड की वजह से ये नेता न पधारें। ऐसे कई कारण हैं, जिनसे विवाद पैदा हो गया है। हर नेता और हर साधु के अपने-अपने 'ईगो' हैं। लेकिन हर एक को इंतजार था, कि कांग्रेस इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है? क्या सोनिया गांधी इस समारोह में आएंगी अथवा नहीं।

यह जानी-मानी बात है, कि अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाने की पहल तत्काल प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी। लेकिन जब कांग्रेस को न्योता देने विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष गए, तब न्योता तो स्वीकार कर लिया गया परंतु जयराम रमेश ने कहा है, कि कांग्रेस इस मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएगी, तब से कांग्रेस में बेचैनी भी खूब पनपी है। 7-8 अप्रैल, 1984 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में संतों ने एक धर्म संसद आयोजित की। इस धर्म संसद में प्रमुख वक्ता डॉ. कर्ण सिंह थे, जो कांग्रेस के प्रमुख नेता थे और उस समय केंद्र में इंदिरा गांधी की सरकार थी। एक फरवरी, 1986 को बाबरी मस्जिद में कैद रामलला मंदिर का ताला खुला, यह बहुत बड़ी घटना थी।

हवा की गुणवत्ता सुधारने को जरूरी सबकी भागीदारी

ज्ञानेन्द्र रावत

समूची दुनिया प्रदूषण की भीषण चपेट में है। दुनिया के कई शहरों और खासकर दक्षिण एशिया के 18 शहरों में वायु प्रदूषण की भयावह स्थिति ने सबको हैरत में डाल दिया है। दुनिया में खराब वायु गुणवत्ता के कारण हर साल तकरीबन 60 लाख से कहीं ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। वहीं वायु प्रदूषण से कई जानलेवा बीमारियां पैदा होती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि जहां तक दक्षिण एशियाई देशों का सवाल है, यहां के विकसित शहरों में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का आंकड़ा डेढ़ लाख को पार कर गया है। आशंका व्यक्त की है कि एशिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के 18 शहरों में रहने वाले लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते समय से पहले हो सकती है।

शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने नासा से जुटाये गये आंकड़ों के आधार पर प्रदूषण संबंधी मौतों के लिए नाइट्रोजन डाइआक्साइड, अमोनिया, कार्बन मोनोक्साइड जैसे प्रदूषकों के अलावा हानिकारक सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 को जिम्मेदार बताया है। यदि आने वाले छह दशकों में वायु प्रदूषण की यही स्थिति बरकरार रही तो लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग समय पूर्व अपनी जान गंवा देंगे। गौरतलब है कि पीएम 2.5 के लम्बे समय तक संपर्क में रहने के कारण अकेले 2005 में दक्षिण एशियाई शहरों में डेढ़ लाख लोग और दक्षिण पूर्व एशियाई शहरों में तकरीबन 53 हजार मौतें हुई थीं। भारत को वायु प्रदूषण से हर साल 114 खरब रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जगजाहिर है कि यदि आने वाले समय में वायु की गुणवत्ता सुधारने के शीघ्र समुचित प्रयास नहीं किये गये तो मानव जीवन संकट में पड़ जायेगा। बीते साल स्विट्जरलैंड की संस्था आईक्यू एयर ने अपनी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में भारत को 2022 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश बताया था। दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में उस समय 39 शहर भारत के थे। यदि हम अंतर्राष्ट्रीय मानकों या दिशा-निर्देशों के हिसाब से देखें तो पाते हैं कि वाकई हमारे शहरों में सीमा से बहुत ज्यादा प्रदूषण है। शहर तो शहर, अब गांव भी इससे अछूते नहीं। अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं। जो योजनाएं बनती हैं वे भी शहर केन्द्रित ही होती हैं।

वायु प्रदूषण जहां बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए भीषण खतरा बन गया है, वहीं बच्चों में तेजी से बढ़ रहे अस्थमा का भी कारण बन रहा है। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद धुएं-धूल के बारीक कण बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर उन बच्चों में पाया जाता है जो कम विकसित शहरी इलाकों या पिछड़े इलाकों में रहते हैं। ईस्ट एंजीलिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जान स्पेंसर द्वारा किये अक्टूबर, 2017 से जून, 2019 के बीच 215 बच्चों के विजन, स्मृति, विजुअल प्रक्रिया के विश्लेषण से खुलासा हुआ कि बच्चे में संज्ञानात्मक समस्या का संबंध खराब वायु गुणवत्ता से है। स्पेंसर के अनुसार, हवा में मौजूद हानिकारक बारीक कण मस्तिष्क में प्रवेश कर उसे नुकसान पहुंचाते हैं। खराब वायु गुणवत्ता के चलते होने वाली संज्ञानात्मक समस्याएं दो साल तक के बच्चों के लिए जोखिमभरी होती हैं।

दरअसल, प्रदूषण को कम करने की दिशा में जो भी प्रयास होते हैं, वह पीएम पार्टीकल्स पर ही केन्द्रित होते हैं। ओजोन, नाइट्रोजन व अन्य प्रदूषक तत्व शामिल नहीं होते जबकि इनको भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन योजनाएं बनाकर और निर्देश देकर कार्य की इतिश्री कर दी जाती है। सर्वेक्षण में कितना काम कहां हुआ, प्रदूषण घटाने में किसकी भूमिका क्या और कितनी रही और उसमें कामयाबी और नाकामी का प्रतिशत कितना रहा, इसका भी आकलन होना चाहिए। सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में शोधकर्ताओं का भी सहयोग लेना चाहिए और प्रदूषण नियंत्रण का दायित्व समन्वित रूप से एक ही विभाग के अंतर्गत होना चाहिए। यह जान लेना कि प्रदूषण सामान्य नहीं, जानलेवा है। क्योंकि हम जहरीली हवा में सांस लेने को विवश हैं। यह कहना गलत है कि प्रदूषण नियंत्रण के देश में उपाय नहीं हो रहे। लेकिन हकीकत में जब-जब प्रदूषण की अधिकता होती है, तब रोकथाम के सारे के सारे प्रयास बड़े शहरों में ही देखे जाते हैं।

हकीकत यह भी है कि देश में छोटे-बड़े तकरीबन चार हजार से ज्यादा शहर हैं लेकिन दुखदायी यह है कि उनमें से ज्यादातर शहरों में प्रदूषण की निगरानी की व्यवस्था ही नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली के लोग तो जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। देश की राजधानी का पीएम 2.5 का स्तर सुरक्षित सीमा से लगभग 20 गुणा से भी ज्यादा है। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है, पर्यावरण की बात राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि उनके लिए यह चुनावी मुद्दा नहीं होता। यह कहना ठीक नहीं कि लोग जागरूक नहीं हुए हैं। वे जागरूक भी हुए हैं, पर इसमें जनभागीदारी और जागरूकता आवश्यक तत्व हैं। इसके बिना कामयाबी की आशा बेमानी है। यदि नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम को सफल बनाना है तो केन्द्र सरकार को इसके लिए राज्य सरकारों पर दबाव भी बनाना पड़ेगा कि वे अपने नगर निकायों को वायु प्रदूषण से निपटने में सक्षम बनायें। नगर निकायों की सक्रिय भागीदारी वायु प्रदूषण से मुक्ति की पहली गारंटी है। इसमें दो राय नहीं।

पौष्टिक नाश्ता और भोजन

आहार, हमारे शरीर के लिए ऊर्जा का स्रोत है, अध्ययनों से पता चलता है कि जिस प्रकार का भोजन हम करते हैं, उसका हमारी सेहत पर सीधा असर होता है। आहार में सुबह का नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण है। भरपेट नाश्ता करें, जिसमें फल-कच्ची सब्जियां, अंडे, दूध, नट्स-सीड्स की मात्रा जरूर हो। रात में करीब 8-10 घंटे खाली पेट के बाद शरीर को सुबह स्वस्थ और भरपेट आहार की आवश्यकता होती है। दोपहर का भोजन भारी न हो, इसमें हरी सब्जियों, साग, दही को शामिल करें। थाली में रंग-बिरंगी सब्जियां हो, कच्ची सब्जियों का सलाद आपको पौष्टिकता देता है। भोजन के बाद कुछ मिनट्स के लिए वॉक की आदत बनाएं।

दिन में ज्यादा बैठे नहीं

ज्यादा समय तक बैठना कई बीमारियों को बढ़ाने वाला हो सकता है। अगर आप ऑफिस में काम करते हैं और लंबे समय तक बैठना होता है तो हर आधे घंटे पर कुर्सी से उठें तो शरीर को स्ट्रेच करके आसपास जरूर टहलें। शारीरिक रूप से निष्क्रियता बढ़ने से ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी समस्याओं का खतरा हो सकता है। इसके अलावा हर आधे घंटे पर थोड़ी मात्रा में पानी जरूर पीने का लक्ष्य बनाएं। शरीर को हाइड्रेट रखना हर मौसम में जरूरी है। दिन में कम से कम 3-4 लीटर पानी पीने का लक्ष्य रखें।

अच्छी नींद जरूरी

शाम के समय डिनर जल्दी करने की आदत बनाएं। शाम को 6-7 बजे के बीच का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है। डिनर हमेशा बहुत हल्का होना चाहिए। इसमें पौष्टिक चीजों, हरी सब्जियों को शामिल करें। रात में फल न खाएं। डिनर के बाद कम से कम 10-15 मिनट की वॉक करें। रात में 10 बजे तक सोने के लिए जरूर चले जाएं। सोने से पहले गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसका सेवन करना आपकी इम्युनिटी बढ़ाने और कई रोगों से बचाने में सहायक है। इन आदतों का अगर रोजाना पालन किया जाए तो आप सेहत में बेहतर सुधार पा सकते हैं।

दिन की हेल्दी शुरुआत के लिए करें ये काम

साल 2023 को अलविदा बोलकर अब हम नए साल 2024 में प्रवेश कर चुके हैं। ये पूरा साल हमारी सेहत के लिए बेहतर रहे, हम सभी बीमारियों से सुरक्षित रहें और जीवन का भरपूर आनंद ले सकें इसके लिए अभी से शुरुआत करें। दिनचर्या की कुछ आदतें आपको स्वस्थ और फिट रखने में काफी मददगार हो सकती हैं। इस साल भी हमारे सामने कई सारी चुनौतियां हैं। देश में एक बार फिर से बढ़ रहे कोरोना के मामले हों या हृदय स्वास्थ्य को लेकर चुनौतियां, संक्रामक रोगों का खतरा हो या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं, हमें इन सभी दिक्कतों से बचने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता है। इम्युनिटी को बढ़ाने, फिटनेस को ठीक रखने और बीमारियों से बचाव के लिए आज और अभी से दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव करें।

सुबह गर्म पानी और 30 मिनट का व्यायाम

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है कि आपकी डाइट और दिनचर्या की आदतें सही हों। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के सेवन की आदत बनाएं। भरपेट पानी पीने से डिहाइड्रेशन का जोखिम कम होता है और शरीर से विषाक्तता दूर होती है। इसके बाद रोज सुबह कम से कम 30 मिनट योग-व्यायाम के लिए समय जरूर निकालें। आपको शारीरिक-मानसिक दोनों तरह से फिट रखने में ये आदतें विशेष लाभकारी हो सकती हैं। सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने की सलाह बहुत से लोग देते हैं। ज्यादातर लोग इसका पालन भी करते हैं। जब हम गर्म पानी पीते हैं तो हमारा शरीर उसके अनुसार अपना तापमान बदलता है और मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करता है। इससे वजन को कम करने में भी मदद मिलती है।

हंसना मना है

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

बाप- बेटा 5 के बाद क्या आता है? बेटा- 6 और 7 पापा! बाप- शाबाश, बेटा मेरा तो बहुत इंटेलीजेंट है, अच्छा तो 6, 7 के बाद! बेटा- 8, 9, 10, बाप- और उसके बाद? बेटा- और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

एक भिखारी को 100 का नोट मिला वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मैनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए।

टीचर- एक टोकरी में 10 आम है, उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? संजू- सर, 10 आम, टीचर- वो कैसे? संजू- सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना, केले तो बन नहीं जायेंगे, आज संजू एक वकील है।

पत्रकार- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

वृषभ शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

कर्क आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

सिंह चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु धन लक्ष्मी की प्राप्ति होगी। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मकर सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा।

कुम्भ किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म एनिमल की सफलता खतरनाक : भारद्वाज

रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल एक बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। बावजूद इसके एक वर्ग ने फिल्म की सफलता पर चिंता जाहिर की है। जावेद अख्तर से लेकर स्वानंद किरकिरे और तापसी पन्नू तक ने फिल्म की बखिया उधेड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, इस लिस्ट में अब महाभारत में भगवान कृष्ण के किरदार के लिए मशहूर नीतीश भारद्वाज का भी नाम जुड़ गया है। नीतीश ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म के हिंसक स्वर की आलोचना की है। हालिया इंटरव्यू में नीतीश भारद्वाज ने कहा कि एनिमल जैसी फिल्मों की सफलता ही उन्हें चिंतित करती है। अभिनेता ने कहा, एक्शन वीर रस में भी हो सकता है, लेकिन फिल्म विभत्स रस की अभिव्यक्ति है। एक्शन के साथ-साथ संवाद और व्यवहार में भी। अगर ऐसी और फिल्में बनेंगी और सफल होंगी तो मुझे चिंता होगी। रणबीर की अभिनय क्षमता के प्रबल प्रशंसक होने के बावजूद मैं इंटरवल के बाद बैठ नहीं सका। नीतीश भारद्वाज ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मैं इसे ओटीटी प्रोडक्शंस से जोड़ूंगा, पिछले कुछ सालों में वेब सीरीज में अपशब्दों के निरंतर उपयोग ने मनुष्य में विकृति को वैध बना दिया है और दर्शक अब इसका आनंद ले रहे हैं क्योंकि वे इसके प्रति असंवेदनशील हो गए हैं। यह जल्द ही समाज में अपना प्रभाव दिखाएगा। आलोचना के बावजूद फिल्म की सफलता के बारे में बात करते हुए, रणबीर कपूर ने हालिया इंटरव्यू में कहा, मैं एनिमल का जश्न मनाने के लिए आज यहां आने के लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह एक ऐसी फिल्म है जिससे लोगों के एक वर्ग को समस्या थी लेकिन मुझे ऐसा लगता है प्यार, सफलता और आंकड़े यह साबित करते हैं कि फिल्म के प्रति प्यार से आगे कुछ भी नहीं है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल एक रिवेंज ड्रामा है। इसमें रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना के साथ-साथ अन्य लोग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहराते हुए 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। तमाम आलोचनाओं के बाद भी एनिमल कई रिकॉर्ड तोड़ने में सफल हुई है।

रामलला की मूर्ति की कंगना ने की प्रशंसा

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। भव्य श्रीराम मंदिर का 22 जनवरी को उद्घाटन होने जा रहा है। राम मंदिर उद्घाटन से कुछ दिन पहले, रामलला की मूर्ति का चेहरा सामने आया है। श्रीराम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और आम लोगों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता प्रशंसा कर रहे हैं। वहीं, अब बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री कंगना रणौत ने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा कर रामलला की मूर्ति की प्रशंसा की है। कंगना रणौत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से रामलला की मूर्ति की दो तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मैंने हमेशा सोचा था कि भगवान राम एक युवा लड़के के रूप में ऐसे दिखते थे और आज इस मूर्ति को देखकर मेरी कल्पना जीवंत हो गई। उन्होंने श्रीराम की मूर्ति बनाने वाले अरुण योगी राज के लिए कहा, आप धन्य हैं, कितनी सुन्दर और मन को मोह लेने वाली मूर्ति बनाई है। रामलला की मूर्ति को बनाने के लिए कितना दवाब होगा आप पर, लेकिन तब भी आपने भगवान राम को इस पत्थर में उतर दिया है, क्या कहें यह भी राम की ही कृपा है। अयोध्या में होने वाले रामलला के अभिषेक समारोह में शामिल होने के लिए कंगना रणौत को भी आमंत्रित किया गया है। फिल्मी जगत से कंगना रणौत के अलावा अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, हेमा मालिनी, माधुरी दीक्षित, आशा भोसले, अरुण गोविल, दीपिका चिखालिया, नितीश भारद्वाज, मधुर भंडारकर व प्रसून जोशी, अक्षय कुमार, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अजय देवगन, सनी देओल, चिरंजीवी और राम चरण सहित कई अन्य हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है।

कहा- सच हुआ सपना, मूर्तिकार की जमकर की तारीफ

कंगना रणौत के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री को आखिरी बार फिल्म तेजस में देखा गया था, जिसमे उन्होंने भारतीय वायु सेना पायलट की भूमिका निभाई थी। कंगना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी पर काम कर रही हैं, जो पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है। वे फिल्म में न सिर्फ मुख्य भूमिका निभा रही हैं, बल्कि इसका निर्देशन भी कर रही हैं।

कठिन समय में बच्चे और पति भी नहीं थे साथः भाग्यश्री

बॉलीवुड इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री भाग्यश्री अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। भाग्यश्री आखिरी बार फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में नजर आई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ निम्रत कौर और राधिका मदान मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म की कहानी हाई स्कूल टीचर सजनी शिंदे पर आधारित है। हाल ही में, अभिनेत्री ने एक बातचीत के दौरान उन दिनों को याद किया, जब वे अवसाद से जूझ रही थी और उस समय उनके बच्चे और पति साथ नहीं थे। भाग्यश्री ने बताया कि कुछ साल पहले उन्हें समझ नहीं आता था कि डिप्रेशन क्या होता है। अभिनेत्री ने कहा, मेरे जीवन में एक समय ऐसा आया, जब कहीं न कहीं मैंने खुद पर से विश्वास खो दिया था। वो दौर मेरे लिए बहुत कठिन था, क्योंकि उस समय मेरे बच्चे मेरे साथ नहीं थे। उन्होंने आगे कहा, मेरे पति और बच्चे उस समय टूर पर थे। वे लोग लंदन गए हुए थे। उन लोगों के जाने से मुझे खालीपन लगने लगा था और मैंने खुद से सवाल करना शुरू कर दिया कि मैं कौन हूं, मुझे वास्तव में क्या पसंद है, मुझे कैसे खुशी मिलती है, कैसे मुस्कुराते है? भाग्यश्री ने आगे कहा, मैं खुद से बातें करने लगी थी। एक बार मैंने खुद को आईने में देखा और खुद से पूछा कि क्या मैं उससे दोस्ती करना चाहूंगी, जिसे मैं आईने में देखती हूं और मैंने कहा नहीं। उस समय मैं खुद को नहीं पहचान पाई। मैं दिन पे दिन डिप्रेशन में जा रही थी, मैंने कहा कि मुझे ऐसा नहीं होना चाहिए। उस समय मेरी बेटी ने मेरी मदद की, तभी मैंने पहली बार दोस्त बनाए। मैंने वास्तव में अपने दोस्त ऐसे लोगों को बनाए, जो मेरे करीबी थे, मेरा परिवार, मेरे पति थे। मैंने अपना जीवन वैस जीना चुना, जैसा मैं चाहती हूं और यह मेरे लिए काम आया। अभिनेत्री भाग्यश्री ने सूरज बड़जात्या की फिल्म मैंने प्यार किया से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके सलमान खान नजर आए थे। यह फिल्म जबर्दस्त हिट साबित हुई थी। इस फिल्म से सलमान और भाग्यश्री दोनों को खूब पहचान मिली थी। सलमान और भाग्यश्री की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक जोड़ी में गिनी जाती है। भाग्यश्री ने इस फिल्म की शूटिंग के बाद शादी कर ली थी। वे हिमालय दासानी के साथ रिश्ते में थीं और इस फिल्म से स्टार बनने के बाद उन्होंने शादी रचा ली थी।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | धरती पर सबसे खूबसूरत है ये अनोखा द्वीप

बेहद अद्भुत हैं यहां की क्रेटर झीलें

पुर्तगाल के अजोरेस में अनोखा द्वीप है, जिसे आइसलैंड ऑफ साओ मिगुएल नाम से जाना जाता है। यह एक ज्वालामुखी द्वीप है, जो तीन सक्रिय ज्वालामुखियों से बना हुआ है। यहां पाई जाने वाली 'क्रेटर झीलें' और लैगून बेहद अद्भुत हैं। साथ ही इस द्वीप पर अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलती है, इसलिए इसे धरती पर सबसे खूबसूरत सुंदर द्वीपों में से एक कहा जाता सकता है। अब इसी द्वीप का दिल को छू लेने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो एक यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि 'साओ मिगुएल एक ज्वालामुखीय द्वीप है, जिसमें क्रेटर झीलें और हरे-भरे मैदान हैं। जो देखने में काफी अद्भुत हैं जो किसी भी का मन मोह लेते हैं। साथ ही यहां पर एक लैगून और मीठे पानी की भी झीले हैं।' यह वीडियो महज 10 सेकंड का है, लेकिन उसमें साओ मिगुएल की प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। साथ ही हरे घास के मैदान से घिरी क्रेटर झील देखने में बड़ी सुंदर लगती है। इसके बाद एक अन्य क्रेटर झील का नजारा दिखता है, जो काफी बड़ी और गहरी दिखती है। इसके बाद फिरोजा रंग के पानी से घिरा बड़ा ही खूबसूरत लैगून दिखता है। साओ मिगुएल द्वीप में कई क्रेटर झीलें और लैगून हैं। लागोआ डो फोगो ऐसी ही एक क्रेटर झील है, जो द्वीप के केंद्र में अगुआ डे पाउ मैसिफ़ स्ट्रैटोवोलकानो में स्थित है।

वहीं एक रिपोर्ट में द्वीप पर स्थित अन्य दो क्रेटर झीलों के बारे में बताया गया है, जिनके नाम सैंटियागो और कांगरो हैं। सैंटियागो झील सेटे सिडैड्स ज्वालामुखी पर 364 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जिसका सतह क्षेत्रफल 0.125 वर्ग किलोमीटर है और अधिकतम गहराई 33 मीटर है। बता दें कि साओ मिगुएल के दक्षिणी तट पर विला फ़्रैंका डो कैम्पो का आइलेट स्थित है, यह छोटा द्वीप है, जो एक पॉपुलर तैराकी स्थल है। जिसे देखने के लिए काफी दूर-दूर से लोग आते हैं।

दुनिया की सबसे अनोखी तितली के उड़ते समय गायब से हो जाते हैं पंख

ग्लासविंग बड़ी ही अद्भुत तितली है, जिसके पंख पारदर्शी होते हैं, जो इनको घने जंगलों में छिपने में मदद करते हैं। इसके पंखों की नसों के बीच का ऊतक कांच जैसा दिखता है। यही वजह है कि इसे ग्लासविंग बटरफ्लाई नाम से जाना जाता है। पंखों की यही खूबी इसे दुनिया की सबसे अनोखी तितली बनाती है। अब इसी तितली का एक चौंका देने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखने पर ऐसा लगता है कि उड़ते समय मानो इस तितली के पंख 'गायब' से हो जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो एक यूजर ने शेयर किया है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है कि 'पारदर्शी पंखों वाली ये तितली एक तरह से प्रकृति की अद्भुत कला है।' यह वीडियो महज 6 सेकंड का है, जिसमें आप देख सकते हैं कि ये तितली दिखने में कैसी लगती है। पोस्ट किए जाने के बाद से अबतक वीडियो पर बड़ी संख्या में व्यूज मिल चुके हैं। बता दें कि ग्लासविंग बटरफ्लाई तितलियों की एक दुर्लभ प्रजाति है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्लासविंग बटरफ्लाई का साइंटिफिक नाम ग्रेटा ओटो है। इसके पंख पारदर्शी इसलिए होते हैं क्योंकि उनमें अन्य तितलियों में पाए जाने वाले रंगीन शल्कों का अभाव होता है। हालांकि इस तरह के पंख इसके लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं, क्योंकि शिकारी पक्षियों द्वारा इसे ट्रैक कर पाना बेहद कठिन हो जाता है।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि ये तितलियां मेक्सिको, पनामा, कोलंबिया और फ्लोरिडा में पाई जाती हैं, जो सुगंधित फूलों वाले लैंटाना जैसे पौधों पर भोजन करती हैं और नाइटशेड परिवार के पौधों पर अपने अंडे देती हैं। ग्लासविंग तितली 2.8 से 3.0 सेंटीमीटर (1.1 से 1.2 इंच) लंबी होती है और इसके पंखों का फैलाव 5.6 से 6.1 सेंटीमीटर (2.2 से 2.4 इंच) होता है। इसके पंख जरूर पारदर्शी होते हैं, लेकिन इसका शरीर डार्क ब्राउन कलर का होता है।

फोटो: सुमित कुमार

राममय हुई राजधानी

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से राजधानी लखनऊ के लोग भी अभिभूत रहे। पूरे शहर के मंदिरों में सुबह से ही भजन-कीर्तन व रामधुन बजते रहे। शहर के निवासियों ने प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन पर देखा। पूरे शहर में जगह-जगह भंडारे के भी आयोजन किए गए।

तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया झटका

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के प्रसारण पर रोक लगाने की याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या में आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन हो रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव टेलीकास्ट करने पर तमिलनाडु सरकार ने रोक लगा दी थी। इस मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु से कहा कि राम मंदिर के उद्घाटन की लाइव टेलीकास्ट की इजाजत को खारिज नहीं किया जा सकता।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया था कि तमिलनाडु में डीएमके की सरकार ने पूरे राज्य में राम मंदिर कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट पर रोक लगाई है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुमति सिर्फ इसलिए अस्वीकार नहीं की जा सकती क्योंकि पास में अन्य समुदाय के लोग भी रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को ये हिदायत दी है कि यह एक समरूप समाज है। इसे सिर्फ इस आधार पर नहीं रोकना चाहिए की अन्य समुदाय भी रहते हैं।

निर्मला सीतारमण ने साधा था डीएमके सरकार पर निशाना

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से ट्वीट किया है। स्पीड में निर्मला सीतारमण ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी को होने वाले अयोध्या राम मंदिर कार्यक्रमों के लाइव टेलीकास्ट को बंद कर दिया है। तमिलनाडु में प्रभु श्री राम के 200 से अधिक मंदिर है। मंदिरों में श्री राम के नाम पर किसी भी प्रकार की पूजा, भजन, कीर्तन, प्रसादम एवं अन्नदान की अनुमति नहीं है। पुलिस निजी तौर पर संचालित मंदिरों को भी कार्यक्रम आयोजित करने से रोक रही है। वे आयोजकों को धमकी दे रहे हैं कि वे पंडाल तोड़ देंगे।

प्राण प्रतिष्ठा में संत, बिजनेसमैन व सेलिब्रिटी हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की शुभ घड़ी में भारत के हर क्षेत्र के दिग्गज लोग पहुंचे। इस अविस्मरणीय पल का साक्षी बनने के लिए देश भर से राजनीति, खेल, विज्ञान और आध्यात्म सहित हर विधा से जुड़े लोगों को आमंत्रित थे। इस दौरान देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कहा कि आज भगवान राम आए हैं। 22 जनवरी को पूरे देश में राम दीपावली है। इस दौरान प्रसिद्ध गायक सोनू निगम, अनुराधा पौडवाल, शंकर महादेवन ने अयोध्या में राम भजन प्रस्तुत किया।

गौतम अडानी समेत देश के बड़े उद्योगपति, फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन रजनीकांत भी मौजूद रहे। इसमें दिग्गज बिजनेसमैन, बॉलीवुड और साउथ के कई सेलिब्रिटीज और संत पहुंचे। साउथ के स्टार चिरंजीवी-रामचरण शामिल हुए। बाबा रामदेव बागेश्वर धाम के कथावाचक पं. धीरेंद्र शास्त्री के साथ दिखे। वहीं, कटरीना कैफ और पति विक्की कौशल, आलिया भट्ट-रणबीर कपूर भी मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं आए आडवाणी

राम मंदिर आंदोलन का एक बड़ा चेहरा रहे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी 22 जनवरी को नए राम मंदिर में रामलीला की प्राण प्रतिष्ठा के सामानों में शामिल नहीं होंगे। प्राण प्रतिष्ठा से कुछ घंटे पहले ही 96 वर्षीय लाल कृष्ण आडवाणी ने अपना अयोध्या दौरा रद्द कर दिया है।

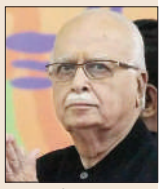
लालकृष्ण आडवाणी खराब मौसम के कारण अयोध्या नहीं जा रही है। अयोध्या जाने का फैसला रद्द करने के लिए उनकी सेहत को ध्यान में रखा गया है। लाल कृष्ण आडवाणी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने के लिए आरएसएस के पदाधिकारी कृष्ण गोपाल, राम लाल और आलोक कुमार ने निमंत्रण दिया था।

तेजस्वी यादव पर केस जारी रहेगा

गुजरातियों पर टिप्पणी का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने 29 जनवरी तक के लिए सुनवाई को स्थगित कर दिया।

दरअसल, तेजस्वी ने अपनी याचिका में कथित तौर पर केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं, वाले बयान को लेकर अहमदाबाद की एक अदालत में उनके खिलाफ लंबित आपराधिक मानहानि शिकायत को गुजरात के बाहर किसी भी स्टेट या दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग की है। शिकायतकर्ता के वकील द्वारा समय मांगे जाने के बाद न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मामले को स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा, जब उन्होंने बयान वापस ले लिया है तो अभियोजन क्यों जारी रखा जाना चाहिए। आप निर्देश मांगें अन्यथा हम अनुच्छेद 142 के तहत शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

शिक्षाविद जगदीश गांधी का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ सीएमएस स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी का रविवार की रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। गांधी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज शहर के मेंदाता अस्पताल में चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा।

रविवार रात में एक बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह 92 वर्ष के थे। गांधी एक प्रखर शिक्षाविद माने जाते हैं। 23 जनवरी को गोमती नगर एक्सटेंशन शाखा में उनका पार्थिव शरीर दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा।

भाजपा की गुंडागर्दी उजागर: वेणुगोपाल

न्याय यात्रा पर हमले के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने कहा कि न्याय यात्रा पर हमला गंभीर मामला है। हर भारतीय को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। घटना भाजपा की फासीवाद और गुंडागर्दी को उजागर करता है।

राज्य में यात्रा पर हो रहे हमलों के विरोध में पूरे भारत के पीसीसी

और डीसीसी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। हम विरोध प्रदर्शन के माध्यम से जनता को बताएंगे कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली असम की भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। न्याय के लिए हम लड़ते रहेंगे। हम सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप मोर्चों पर न्याय के लिए लड़ेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिलहाल असम में है। इस दौरान नगांव जिले में सड़क किनारे एक भोजनालय के पास भीड़ ने यात्रा को घेर लिया। इस दौरान भीड़ ने राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कांग्रेस विधायक रकीबुल हुसैन का भी विरोध किया।

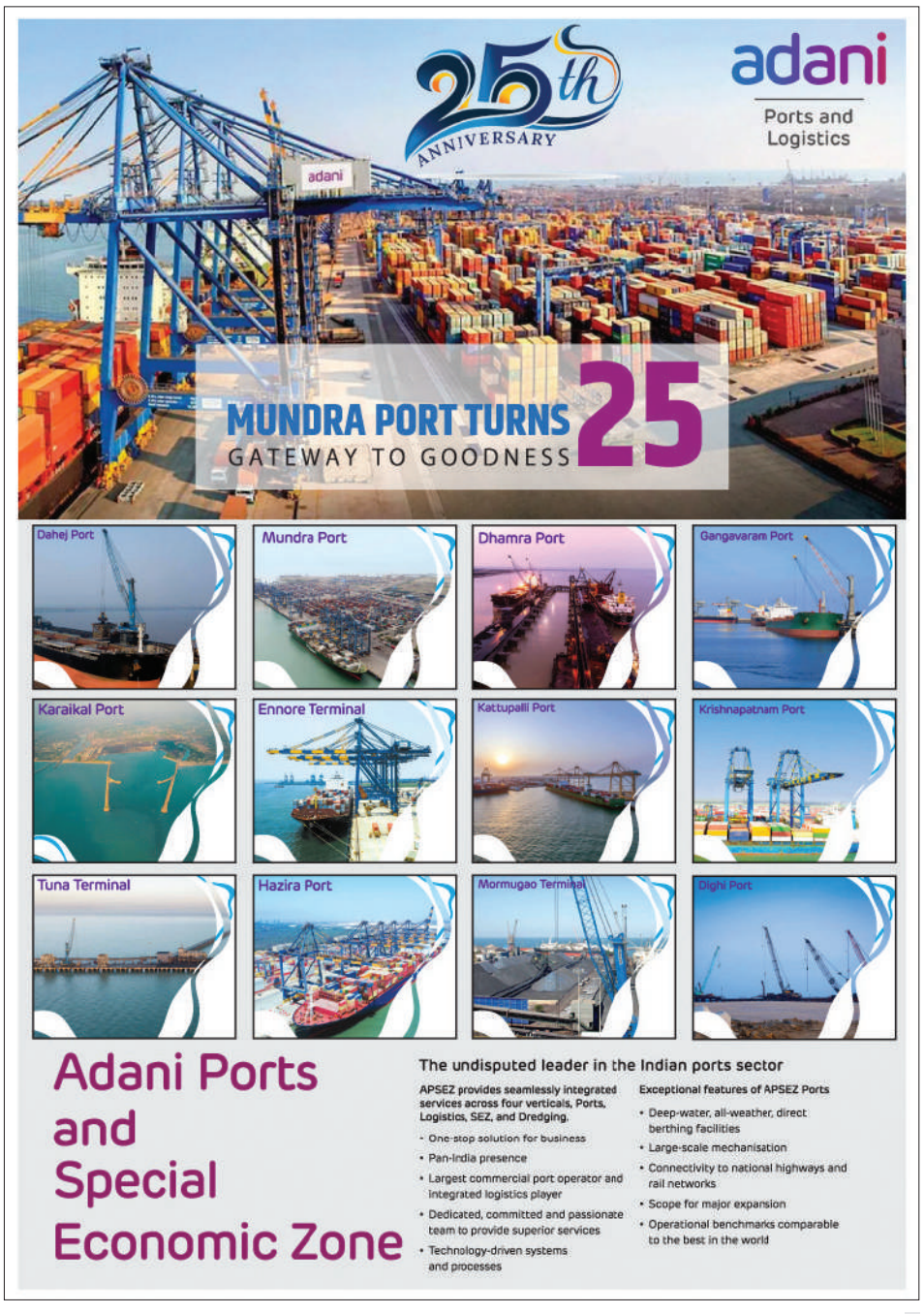

फोटो: सुमित कुमार

जनेश्वर मिश्र ने हमेशा गरीबों, पिछड़ों दलितों के लिए किया संघर्ष : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पूर्व समाजवादी नेता को पुण्यतिथि पर दी पुष्पांजलि

» बोले- राम की कल्पना का बने राज्य

लखनऊ। आज हम सब समाजवादी लोग जनेश्वर मिश्र जी को याद करते हैं। पूरे जीवन भर जनेश्वर जी गरीब, पिछड़े, दलित, जिनका जीवन अभाव में रहा उनके लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने हमेशा समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये बातें पूर्व समाजवादी चिंतक व नेता जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धांजलि देते हुए कही। यह कार्यक्रम जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। इस अवसर पर कहा कि भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का जो कार्यक्रम है, जो मूर्ति पत्थर की थी आज प्राण प्रतिष्ठा के बाद भगवान का रूप ले लेगी। भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहे गए। सपा मखिया ने कहा कि जो मर्यादा पुरुषोत्तम जी ने रामराज्य की कल्पना की थी जहां गरीब दु:खी ना रहे, नौजवान खुशहाल हो आगे बढ़े और सब प्रसन्न हो, उस रास्ते पर चलेंगे सब।

मुझे शंकर देव मंदिर जाने से रोका गया : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी असम में मौजूद हैं। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाए कि उन्हें आज मंदिर जाने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले उन्हें मंदिर जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन आज मना किया जा रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही है भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम के नागांव जिले में पहुंची हुई है। यहां बताद्रवा थान इलाके में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली है।

» बोले- मैंने क्या अपराध किया है

राहुल गांधी को कार्यक्रम के तहत आज शंकरदेव के मंदिर जाना था, लेकिन अब राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया है कि उन्हें आज मंदिर जाने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि हम मंदिर जाना चाहते हैं। मैंने क्या अपराध किया है जो मैं मंदिर नहीं जा सकता? गौरतलब है कि मंदिर की प्रबंध समिति ने राहुल गांधी को सोमवार को दोपहर तीन बजे के बाद आने की जानकारी रविवार को ही दे दी थी। प्रबंध समिति के प्रमुख जोगेंद्र देव महंत ने बताया कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर कई संगठनों ने मंदिर परिसर में भक्ति कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मंदिर आएंगे, ऐसे में राहुल गांधी को दोपहर तीन बजे के बाद मंदिर आने को कहा गया है।

कई दिनों से मांग रहे थे अनुमति : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी मंदिर (बताद्रवा मंदिर) जाना चाहते थे..हम 11 जनवरी से इसकी कोशिश कर रहे हैं। हमारे दो विधायकों ने मंदिर समिति से मुलाकात भी की थी। हमने उन्हें बताया था कि हम 22 जनवरी को सुबह 7 बजे आएंगे, लेकिन कल हमें अचानक बताया गया कि तीन बजे के बाद आएं। यह राज्य सरकार के दबाव में हो रहा है। हम मंदिर जाने की कोशिश करेंगे, लेकिन तीन बजे के बाद जाना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि हमें आगे भी दूरी तय करनी है।

विपक्षी दल भाजपा से लड़ें राम से नहीं : प्रमोद कृष्णम

संभल। राम के बिना भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। राम तो भारत की आत्मा हैं। विपक्षी दल भाजपा से लड़ें लेकिन राम से नहीं लड़ें। यह कहना है ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम का।रविवार को उन्होंने मीडिया से कहा कि राम राज्य का सपना तो महात्मा गांधी ने देखा था। कांग्रेस पार्टी जो महात्मा गांधी की पार्टी है, वह राम विरोधी नहीं हो सकती। राम के बिना तो भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती। भारत के लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती।

देश को हिंदू राष्ट्रवाद नहीं, द्रविड़ तमिल मॉडल की जरूरत : ए.राजा

» द्रमुक ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। द्रमुक के सांसद ए राजा ने रविवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्रविड़ मॉडल के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मॉडल की पूरे देश को जरूरत है। उन्होंने सलेम में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज वे हिंदू राष्ट्र की बात कर रहे हैं।

पहले हिंदू धर्म के नाम पर कोई राष्ट्र नहीं था। पाकिस्तान भारत से इसलिए अलग हो गया, क्योंकि (विनायक दामोदर) सावरकर ने कहा था कि यह एक हिंदू राष्ट्र है। इसलिए, जिन्ना ने भी कहा कि वे एक अलग इस्लामी राष्ट्र चाहते हैं और फिर (भारत से) अलग हो गए। धर्म कभी राष्ट्रीयता नहीं बन सकता, लेकिन भाषा राष्ट्रीयता बन सकती है। उन्होंने आगे कहा, कि हम जाति के नाम पर बंटे हुए हैं और आप धर्म के नाम पर हमें एक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम कानून के अनुसार धर्म के नाम पर एकजुट होना चाहते हैं। लेकिन, हम हिंदू नहीं बनना चाहते, जैसा कि आप कहते हैं। हम हिंदू राष्ट्रवाद नहीं चाहते हैं।

हमारी पहचान मिटाने का प्रयास कर रही भाजपा : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख ने कहा किभाजपा हमारी भाषा, तमिल संस्कृति, राज्य के अधिकारों को नष्ट करने की योजना बना रही है। हमारी पहचान को मिटाने का प्रयास कर रही है।

दूसरी ओर, अन्नाद्रमुक ने राज्य को दस साल तक बर्बाद किया। एडप्पाडी पलानीस्वामी सोचते हैं कि जो कुछ नष्ट करेंगे, लोग उसे भूल जाएंगे। भाजपा और अन्नाद्रमुक को रोकना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, आज के पीएम कभी सीएम थे। मोदी सभी राज्यों को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्र द्वारा जो भी कानून पेश किए जाते हैं, उसके बारे में राज्य सरकारों के साथ कोई चर्चा नहीं की जाती है। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कोई चर्चा नहीं होती।

सवाल पूछने पर भेजते हैं आईटी सीबीआई और ईडी

कार्यक्रम में द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कहा, कि हमें उनसे सवाल नहीं करने चाहिए? अगर हम सवाल करते हैं, तो वे हमारे पास आईसीई भेजते हैं। आईसीई का मतलब है- आयकर (इनकम टैक्स), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)। सवाल पूछेंगे तो ये तीनों आपके पास आ जाएंगे। लेकिन, हम डरने वाले नहीं है।

प्रभु राम भारत के सर्वोत्तम आयामों के प्रतीक : मुर्मू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने भारत की आध्यात्मिक चेतना और संस्कृति में रचे-बसे भगवान राम के प्रभुत्व का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के सर्वोत्तम आयामों का प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हैं। तीन पन्नों के विस्तृत पत्र में राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जो 11 दिवसीय अनुष्ठान किया है, वह त्याग की भावना से प्रेरित सर्वोच्च आध्यात्मिक कृत्य है। उन्होंने इसे प्रभु श्रीराम के प्रति संपूर्ण समर्पण का भाव भी करार दिया। वहीं, राष्ट्रपति मुर्मू के पत्र के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का ऐतिहासिक क्षण भारतीय विरासत और संस्कृति को समृद्ध करेगा और देश की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। राष्ट्रपति के पत्र को रीपोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, माननीय राष्ट्रपति जी, अयोध्या धाम में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर शुभकामनाओं के लिए आपका बहुत-बहुत आभार। मुझे विश्वास है कि यह ऐतिहासिक क्षण भारतीय विरासत एवं संस्कृति को और समृद्ध करने के साथ ही हमारी विकास यात्रा को नए उत्कर्ष पर ले जाएगा।

राष्ट्रपति का शुभकामना संदेश

भारतवर्ष के पुनर्निर्माण अभियान की शुरुआत : मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला के जन्मस्थान पर राममंदिर का निर्माण और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह भारतवर्ष के पुनर्निर्माण अभियान की शुरुआत है। यह सद्भाव, एकता, प्रगति, शांति और सभी के कल्याण के लिए है। राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदू समाज के संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर अब विवाद, कड़वाहट और संघर्ष खत्म होना चाहिए। आरएसएस की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक लेख में उन्होंने लिखा कि 9 नवंबर 2019 को 134 वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सत्य और तथ्यों को परखने के बाद एक संतुलित फैसला दिया। धार्मिक दृष्टि से श्रीराम बहुसंख्यक समाज के आराध्य देव हैं और श्री रामचंद्र का जीवन आज भी संपूर्ण समाज द्वारा स्वीकृत आचरण का आदर्श है। इसलिए अब अकारण विवाद को लेकर जो पक्ष-विपक्ष खड़ा हुआ है, उसे समाप्त कर देना चाहिए। इस बीच में उत्पन्न हुई कड़वाहट भी खत्म होनी चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह अवश्य देखना चाहिए कि विवाद पूर्णतः समाप्त हो जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।